>

Title: Resolution regarding formulation of an action plan to rehabilitate persons displaced from Pakistan (Discussion not concluded).

श्री अर्जुन राम मेघवाल (बीकानेर): महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं:

"कि पाकिस्तान से भारत में प्रवास करने वाले और देश के विभिन्न भागों में बसे व्यक्तियों के समक्ष आ रही समस्याओं को ध्यान में रखते हुए यह सभा सरकार से आग्रह करती है कि वह उन्हें नागरिकता प्रदान करने के लिए तत्काल कदम उठाए और उन्हें देश के अन्य नागरिकों को उपलब्ध सुविधाएं मुहैया कराने के लिए एक समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करे।"

महोदय, आपने मुझे पाकिस्तान से भारत आने वाले लोग, जिनको हम पाक विस्थापित कहते हैं, उनके पुनर्वास के लिए कार्य-योजना बनाने और उनको नागरिकता प्रदान करने के लिए, राशन कार्ड उपलब्ध कराने के लिए या उनको खेती की जमीन उपलब्ध कराने के लिए जो

17.50 hrs (Shri Basu Deb Acharia *in the Chair*)

मेरा प्रस्ताव था, उस पर मुझे बोलने का अवसर दिया, उसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। सभापति जी, यह बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है और अभी आप के ही एक संकल्प पर चर्चा करते समय हमारे एक बहुत वरिष्ठ साथी हुक्मदेव नारायण यादव जी ने डॉ. राम मनोहर लोहिया जी का जिक्र किया था। मैं उस किताब को अभी पढ़ रहा था। वह पुस्तक है 'लोहिया और संसद ' उसमें 3 अप्रैल, 1964 को डॉ. राम मनोहर लोहिया जी ने कहा था कि जीने का अधिकार दुनिया का सबसे बड़ा अधिकार है।

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री हरीश रावत): यह बड़ा महत्वपूर्ण सब्जेक्ट है। माननीय सदस्य अगली बार इसे प्रारंभ से शुरू करें तो ज्यादा बेहतर होगा।

श्री अर्जुन राम मेघवाल : 6 बजे तक तो चलेगा ना।

श्री हरीश रावत : इस समय हम जीरो ऑवर ले लें।

श्री हुक्मदेव नारायण यादव (मधुबनी): यह नियमावली के अनुसार 6 बजे तक चलता है।

श्री हरीश रावत : क्या फर्क पड़ता है? He has already moved it.

MR. CHAIRMAN: If the House agrees, then we can start the Zero Hour.

...(*Interruptions*)

श्री हुक्मदेव नारायण यादव: श्रीमान् नियामवली को पढ़िये। नियमावली साफ कहती है कि इसका समय साढ़े तीन बजे से छह बजे तक बंधा हुआ है। जब तक नियम में परिवर्तन नहीं होगा तब तक ऐसा नहीं हो सकता।

सभापति महोदय : नियम में यह बताते हैं कि अगर सदन राजी हो जाये तो हम कर सकते हैं।

श्री हुक्मदेव नारायण यादव: इस नियम को बदलने का अधिकार सदन को नहीं है।

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जितेन्द्र सिंह) : आपकी कांटीन्युटी खराब हो जाएगी, कांटीन्युटी नहीं होगी, अभी पांच मिनट आप बोलेंगे, तो पूरी बात नहीं कह पाएंगे।

सभापति महोदय : ठीक है, नेक्स्ट वीक करेंगे। आप बैठ जाइए।

अभी हम लोग जीरो ऑवर शुरू करते हैं।

श्री सतपाल महाराज (गढ़वाल): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से यहां से बोलना चाहता हूं।

सभापति महोदय : ठीक है, बोलिए।